चउपन्नमहापुरिसचरियं (फोल्डर नं. ००१४४२)

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

गंथसमप्पणं

ग्रन्थसमर्पण

ग्रन्थानुक्रमः

1. Preface : General Editors ----------1-3
2. Introduction : Dr. Kl. Bruhn ---------- 1-31
३. प्रस्तावना – सम्पादक ---------- ३३-६२
४. चउपन्नमहापुरिसचरियं विषयानुक्रमः ---------- ६३-६६
५. महापुरिसगाहाओ ---------- ६८
६. चउपन्नमहापुरिसचरियं ---------- १-३३५

कथापीठम्---------- १-५

मंगलम् ---------- १-२

सज्जन-दुर्जनविवेकः---------- २-३

षड्विधाः पुरुषाः ---------- ३-४

अभिधेयम् ----------४

अलोक-लोकवर्णनम्----------५

कालवर्णनम् ----------५

(१) १-२ – ऋषभस्वामि-भरतचक्रवर्तिचरितम्----------६-५०

सप्त कुलकराः ----------६-१०

वणिजां जीवनकला ----------७

अल्पानुभावकल्पवृक्षवर्णनम् ----------९-१०

त्रिविधा दण्डनीतयः---------- १०

ऋषभस्वामिप्भृतीनां पूर्वभवाः ---------- १०-३४

ऋषभस्वामिनो धनसार्थवाह-युगलिक सौधर्मदेवात्मकं भवत्रयम्---------- १०-१६

सार्थगमनोद्घोषणा ---------- १०

सार्थवाहस्य गुणाः ---------- ११

श्रमणानां प्राभातिकी चर्या ---------- १३

साधुसमुदायवर्णनम्---------- १४

सम्यक्त्वम्---------- १४-१५

सार्थप्रयाणम्---------- १६

ऋषभस्वामिनो महाबलाख्यश्चतुर्थो भवः ---------- १६-२८

विबुधानन्दं नाम नाटकम् ---------- १७-२७

ऋषभस्वामिनो ललिताङ्गदेवाख्यः पञ्चमो भवः ---------- २८-३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

निर्नामिकाकथानकम् ---------- २९-३०
ऋषभस्वामिनो वज्रजङ्घ-सौधर्मदेवभवौ षष्ठ-सप्तमौ ---------- ३०
ऋषभस्वामिनो जीवानन्दवैद्यभवोष्टम् ---------- ३१-३२
ऋषभस्वामिनो वज्रनाभचक्रि-सर्वार्थसिद्धविमानदेवभवौ नवम-दशमौ ---------- ३२-३४
तीर्थंकरनामकर्मबन्धनिमित्तभूतानिविंशतिस्थानकानि ---------- ३३
ऋषभस्वामिनो जन्म ---------- ३४
ऋषभस्वामिनो जन्मोत्सवः ---------- ३४-३७
इक्ष्वाकुवंशस्थापना ---------- ३७
ऋषभस्वामिनो विवाहो राज्याभिषेकश्च ---------- ३७
विनोतानगरीस्थापना, भरत-बाहुबलि-ब्राह्मी-सुन्दरीप्रभृतीनां जन्म च ---------- ३८
लिपि-कला-लक्षणशास्त्रादीनां प्रादुर्भावः,... ---------- ३८
अष्टादश लिपयः, गणितसंख्याश्च ---------- ३८-३९
द्वि-त्रि-चतुः-विंशतिप्रकारा वर्णाः ---------- ३९
ऋषभस्वामिनो दीक्षा, पञ्चमुष्टिलोचश्च ---------- ४०
ऋषभस्वामिनो पारणम्, बाहुबलिकृतं धर्मचक्रं... ---------- ४१
मरुदेव्याः केवलज्ञानं निर्वाणं च ---------- ४२
गणधरस्थापना, बाह्मीप्रव्राजना च ---------- ४२
भरतस्य विजययात्रा, नव निधयश्च ---------- ४३-४४
भरत-बाहुबलिनोर्युद्धम् ---------- ४६-४७
बाहुबलिनो दीक्षा, केवलज्ञानं च ---------- ४८-४९
मरीचेर्भागवतलिङ्गप्रवर्तापनम्,.... ---------- ४९
भरतस्य केवलज्ञानं निर्वाणं च ---------- ५०
(२) ३ अजितस्वामिचरितम् ---------- ५१-५४
नरकवर्णनम् ---------- ५१
सम्यक्त्वदौर्लभ्यम् ---------- ५२
सम्यक्त्वस्थैर्ये मुग्धभट्टक्थानकम् ---------- ५३-५४
(३) ४ सगरचक्रवर्तिचरितम् ---------- ५५-७१
चक्रवर्तिनश्चतुर्दश रत्नानि ---------- ५५
दुःशीलभार्याजनितवैराग्ये वरुणवर्मकथानकम्... ---------- ५७-६२
सगरपुत्राणां स्वैरविहारः, अष्टापद.... ---------- ६२-६४
ब्राह्मणेन युक्तिपूर्वकं सगररस्य पुत्रमरण... ---------- ६५-७०
भागीरथेन गङ्गायाः समुद्रनयनम्.... ---------- ७१
(४) ५ सम्भवस्वामिचरितम् ---------- ७२-७४
समवसरणरचनना ---------- ७३
अष्टप्रकारकर्मबन्धकराणानि ---------- ७३-७४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

(५) ६ अभिनन्दनस्वामिचरितम् ---------- ७५
(६) ७ सुमतिस्वामिचरितम्---------- ७६-८२
सुमतिस्वामिनः पूर्वभवः ।---------- ७६-७९
दानादिचतुर्विधधर्मप्ररूपणा.... ---------- ७७-७९
शुभा-शुभकर्मबन्धोदयप्ररूपणा---------- ८०-८१
(७) ८ पद्मप्रभस्वामिचरितम्---------- ८३-८५
समवसरणस्थजीवानां वैराभाववर्णनम् ---------- ८३
चतुर्विधदेवनिकायवर्णनम् ---------- ८४-८५
(८) ९ सुपार्श्वस्वामिचरितम्---------- ८६-८७
अष्टप्रकारकर्मसंक्षिप्तवर्णना---------- ८६
(९) १० चन्द्रप्रभस्वामिचरितम्---------- ८८-९०
वसन्तवर्णनम्---------- ८८
लोकान्तिकदेवप्रबोधनम्---------- ८८-८९
सिद्धिक्षेत्रवर्णनम्, सिद्धस्वरूपं च ---------- ८९-९०
(१०) ११ पुष्पदन्तस्वामिचरितम्---------- ९१
(११) १२ शीतलस्वामिचरितम्---------- ९२
(१२) १३ श्रेयांसस्वामिचरितम्---------- ९३-९४
ग्रीष्मवर्णनम्---------- ९३
जीवा-जीवभेदाः---------- ९४
(१३) १४-१५ त्रिपृष्ठवासुदेव-अचलबलदेवचरितम्----------९५-१०३
सिंहव्यापादनम् ---------- ९६
त्रिपृष्ठस्य मरीच्यादि-विशाखनन्द्यन्ताः पूर्वभवाः ----------९७-१००
अश्वग्रीवेण सह त्रिपृष्ठस्य युद्धम्,... ----------१०१-१०२
(१४) १६ वासुपूज्यस्वामिचरितम् ----------१०४
(१५) १७-१८ द्विपृष्ठवासुदेव-विजय बलदेवचरितम्---------- १०५-११४
विजयाचार्यकथानकम् (आत्मकथा)---------- १०६-११४
(१६) १९ विमलस्वामिचरितम्---------- ११५-११६
मोक्षमार्गप्ररूपणा---------- ११५-११६
(१७) २०-२१ स्वयम्भूवासुदेवभद्रबलदेवकथानकम् ---------- ११७-१२८
मुनिचन्द्रमुनिकथानकम् (आत्मकथा)---------- ११७-१२७
मानवभवदुर्लभता ----------११९
(१८) २२ अनन्तजित्स्वामिचरितम् ---------- १२९-१३०
लोकान्तिकप्रतिबोधना ----------१२९
(१९) २३-२४ पुरुषोत्तमवासुदेव-सुप्रभबलदेवचरितम्---------- १३१-१३२
मधु-कैटभाभ्यां पुरुषोत्तमस्य युद्धम्----------१३२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

(२०) २५ धर्मतीर्थकचरितम्----------१३३
(२१) २६-२७ पुरुषसिंहवासुदेव-सुदर्शनबलदेवचरितम्---------- १३४-१३६
(२२) २८ मघवचक्रवर्तिचरितम्----------१३७
(२३) २९ सनत्कुमारचक्रवर्तिचरितम्---------- १३८-१४५
विपरीतशिक्षिताश्वकृतं सनत्कुमारापहरणम्----------१३८
महेन्द्रसिंहस्य सनत्कुमारान्वेषणार्थं परिभ्रमणम्---------- १३८-१४०
सनत्कुमारेण सार्धं महेन्द्रसिंहस्य मेलापकः,...----------१४०-१४२
इन्द्रकृता सनत्कुमाररूपप्रशंसा... ---------- १४२-१४३
रोगग्रस्तसनत्कुमारमुनि-सौधर्मेन्द्रप्रसङ्गः----------१४४
(२४) ३०-३१ शान्तिस्वामितीर्थंकरचक्रवर्तिचरितम्---------- १४६-१५१
शान्तिस्वामिनः पूर्वभवाः---------- १४६-१४९
(२५) ३२-३३ कुन्थुस्वामितीर्थंकरचक्रवर्तिचरितम्----------१५२
(२६) ३४-३५ अरस्वामितीर्थंकरचक्रवर्तिचरितम्---------- १५३-१६३
वीरभद्रकथानकम्---------- १५३-१६२
(२७) ३६-३७ पुण्डरीकवासुदेव-आनन्दबलदेवचरितम्----------१६४
(२८) ३८ सुभूमचक्रवर्तिचरितम्---------- १६५-१६७
(२९) ३९-४० दत्तवासुदेव-नन्दिमित्रबलदेवचरितम्----------१६८
(३०) ४१ मल्लिस्वामिचरितम्---------- १६९-१७१
(३१) ४२ मुनिसुव्रतस्वामिचरितम्---------- १७२-१७३
(३२) ४३ महापद्मचक्रवर्तिचरितम्----------१७४
(३३) ४४-४५ रामबलदेव-लक्ष्मणवासुदेवचरितम्---------- १७५-१७६
(३४) ४६ नमिस्वामिचरितम्----------१७७
(३५) ४७ हरिषेणचक्रवर्तिचरितम्----------१७८
(३६) ४८ जयचक्रवर्तिचरितम्----------१७९
(३७) ४९-५१ अरिष्टनेमि-कृष्णवासुदेवबलदेवबलदेवचरितम्---------- १८०-२०९
हरिवंशोत्पत्तिः ----------१८१
कुरुवंशोत्पत्तिः ----------१८२
राजनीतेश्चत्वारो नयाः----------१८५
युद्धवर्णनम्---------- १८६-१८९
जयोत्साहो नगरप्रवेशोत्सववर्णनं च---------- १८९-१९०
वसन्तवर्णनम्---------- १९०-१९२
अरिष्टनेमेर्दीक्षा-केवलज्ञानावाप्ती...---------- १९३-१९४
वसुदेवस्य पुत्रषट्क्रवृत्तान्तः ---------- १९५-१९८
द्वारिकानिर्णाशः---------- १९९-२००
कृष्णवासुदेवस्य मृत्युः ----------२०२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सिद्धार्थदेवकृता बलदेवप्रतिबोधना... ---------- २०३-२०४
पाण्डवानां प्रव्रज्या, अरिष्टनेमेर्निर्वाणं च ---------- २०५-२०६
सौन्दर्यमुग्धवनितासमूहव्यापाराः ---------- २०७
बलदेव-वनच्छिन्दक-हरिणानां स्वर्गमनम् ---------- २०८
(३८) ५२ ब्रह्मदत्तचक्रवर्तिचरितम् । (आत्मकथा) ---------- २१०-२४४
ब्रह्मदत्तस्य जातिस्मरणम् ---------- २११
चित्रमुनेर्जातिस्मरणम् ---------- २१२
ब्रह्मदत्त-चित्रमुन्योः पूर्वभवाः । ---------- २१२-२१७
जतुगृहप्रज्वालनम्, ब्रह्मदत्त-वरधन्वोः पलायनम् ---------- २२०
ब्रह्मदत्तस्य बन्धुमत्या सह विवाहः ---------- २२१
ब्रह्मदत्तस्य पुष्पवत्या सह गान्धर्वविवाहः ---------- २२४
ब्रह्मदत्तस्य श्रीकान्तया सह विवाहः ---------- २२६
कुर्कुटयुद्धम् ---------- २२९
ब्रह्मदत्त-रत्नवत्योर्मेलापकः, मगधापुरं... ---------- २३२
ब्रह्मदत्तस्य रत्नवत्या सह विवाहः ---------- २३७
ब्रह्मदत्तस्य मगधराजपुत्र्या सह विवाहः ---------- २३९
ब्रह्मदत्तस्य श्रीमत्या, वरधनोर्दन्दया... ---------- २४०
ब्रह्मदत्तस्य कटकवत्या सह विवाहः ---------- २४१
ब्रह्मदत्तस्य दीर्घराज्ञा सह युद्धम्... ---------- २४१-२४२
(३९) ५३ पार्श्वस्वामिचरितम् ---------- २४५-२६९
पार्श्वस्वामि-कठतापसयोर्मरुभूतिकमठादयः पूर्वभवाः ---------- २४६-२५६
चतुर्दशस्वप्नवर्णना, पार्श्वस्वामिजन्म च ---------- २५७-२५८
जन्माभिषेक-जन्मोत्सववर्णनम् ---------- २५९-२६०
पार्श्वस्वामिनः प्रभावत्या सह विवाहः ---------- २६१
पार्श्वस्वामिन वसन्तक्रीडा.... ---------- २६२-२६५
पार्श्वस्वामिनो दीक्षा ---------- २६६
मेघमालिकृतोपसर्गः ---------- २६७-२६८
पार्श्वस्वामिनः केवलज्ञानं, निर्वाणं च ---------- २६८-२६९
(४०) ५३ वर्धमानस्वामिचरितम् ---------- २७०-३३५
गर्भापहरणम् ---------- २७०
मेरुचालनम् ---------- २७१
आमलकीक्रीडा ---------- २७१-२७२
वर्धमानस्वामिनोनेककन्यापरिणयनम् ---------- २७२
वर्धमानस्वामिनो दीक्षा ---------- २७३
ब्राह्मणवस्त्रदानप्रस्तावः ---------- २७३-२७४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

बलिवर्दसमर्पकमूर्खगोपालप्रस्तावः ---------- २७४-२७५
अस्थिकनागराजोपसर्गप्रस्तावः ---------- २७५
उत्पलप्रस्तावः ---------- २७५-२७६
अच्छन्दकप्रस्तावः ---------- २७६
चण्डकौशिकप्रस्तावः ---------- २७६-२७८
सुदाढभुजगेन्द्रप्रस्तावः ---------- २७८-२७९
पुष्य-पुरन्दरसंवादप्रस्तावः ---------- २७९-२८०
गोशालानुगमप्रस्तावः ---------- २८०-२८१
सङ्गमकारजनितोपसर्गप्रस्तावः ---------- २८१-२८९
वसुमतिसंविधानप्रस्तावः ---------- २८९-२९२
चमरोत्पातसंविधानप्रस्तावः ---------- २९२-२९७
गोवृत्तान्तपृच्छकगोपालकृतोपसर्गप्रस्तावः ---------- २९७-२९९
केवलज्ञानोत्पत्ति-गणधरप्रव्राजनाविधानप्रस्तावः ---------- २९९-३०३
गणधरोत्पत्ति-मृगावतीप्रव्रज्याविधानप्रस्तावः ---------- ३०३-३०४
उदयनपरिस्थापनप्रस्तावः ---------- ३०४-३०५
शशि-सूर्यागमनप्रस्तावः ---------- ३०५-३०६
गोशालसम्बोधनप्रस्तावः ---------- ३०६-३०७
प्रसन्नचन्द्रकेवलज्ञानोत्पत्तिप्रस्तावः ---------- ३०७-३०८
नन्दिषेण-मेघकुमारसंविधानप्रस्तावः... ---------- ३०८-३१५
श्रेणिककृतराज्यनिन्दाप्रस्तावो.... ---------- ३१५-३२०
अभयकुमारकृतश्रमणखिंसनानिवारणाप्रस्तावः ---------- ३२०-३२२
गौतमस्वामिकृताष्टापदारोहणप्रस्तावः... ---------- ३२२-३२७
दशार्णभद्रनिष्क्रमणप्रस्तावः ---------- ३२८-३३१
कुणालाव्याख्यानप्रस्तावः ---------- ३३१-३३२
वर्धमानस्वामिनिर्वाणप्रस्तावः ---------- ३३३-३३४
गौतमगणधरनिर्वाणप्रस्तावः ---------- ३३४-३३५
ग्रन्थकारप्रशस्तिः ---------- ३३५
७. परिशिष्ट ---------- ३३७-३८०
१. प्रथमं परिशिष्टम् – विशेषनाम्नाकारादिवर्णक्रमेणानुक्रमणिका ---------- ३३७-३४७
२. द्वितीयं परिशिष्टम्-विशेषनाम्नां विभागशोनुक्रमणिका ---------- ३४८-३५६
३. तृतीयं परिशइष्टम् – देश्य-प्राकृतशब्दानां संग्रहः ---------- ३५७-३६०
४. चतुर्थं परिशिष्टम्-अपभ्रंशसंग्रहः ---------- ३६१
५. पञ्चमं परिशिष्टम्-वर्णकसंग्रहः ---------- ३६२
६. षष्ठं परिशिष्टम्-स्तुति-वन्दनाः ---------- ३६२
७. सप्तमं परिशइष्टम्-सुभाषितगाथानामनुक्रमः ---------- ३६३-३७८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

८. अष्टंम परिशइष्टम्-सूक्तिरूपा गाथांशाः---------- ३७९-३८०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org